विद्युत संवाद: कृषि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्याएँ

चांदन क्षेत्र, जैसलमेर के अध्ययन द्वारा कृषि बिजली आपूर्ति की जटिलताओं को समझने एवं तकनीकी-वित्तीय समाधान हेतु चर्चा

27 मई 2024 | दोपहर 3 से शाम 4:30 बजे तक

पृष्ठभूमि

एक आम किसान सिंचाई के लिए बिजली पर निर्भर रहता है। बिजली आपूर्ति एवं वोल्टेज में अनियमितता के कारण किसानों को फ़सल ख़राब होना, मीटर व ट्रांसफार्मर जलना, ट्यूबवेल उपकरणों का ख़राब होना इत्यादि वित्तीय नुकसान उठाने पड़ते है। ऐसा ही एक मामला जैसलमेर जिले के चांदन क्षेत्र का है जहां कृषि में बिजली आपूर्ति व वोल्टेज की अनियमितता को लेकर किसानों ने आक्रोश जताया है, जहाँ काफी संघर्ष के बाद भी स्तिथि में कोई सुधार नहीं हुआ है।

कृषि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति एवं वोल्टेज में अनियमितता की जटिलता को समझने एवं समाधान हेतु चर्चा द्वारा संभावित विकल्पों को जानने के लिए एक संवाद का आयोजन कर रहे है। इस संवाद का उद्देश्य समस्या की जटिलताओं को समझना और सामूहिक सहमति बनाते हुए तकनीकी व वित्तीय रूप से उचित अन्वेषण करना है।

27 मई 2024 | दोपहर 3 से शाम 4:30 बजे तक		
03:00-03:10 PM	भूमिका एवं पृष्ठभूमि	हिमांशी तलवार, सी.ई.ई.पी.
03:10-03:30 PM	**चांदन उपखण्ड: एक परिचय** मुख्य समस्याओं एवं चुनौतियों पर एक प्रेजेंटेशन	फ़राज़ अहमद, सी.ई.ई.पी.
03:30-04:20 PM	चर्चा: स्थानीय हितधारकों का मत, डिस्कॉम के दृष्टिकोण, मौजूदा नियामक ढांचा, संभावित समाधान, भविष्य की योजना	• जेतमल सिंह भेरवा, उपाध्यक्ष, किसान संघ, चांदन जैसलमेर • आईवीर सिंह पातावत, किसान व सामाजिक कार्यकर्ता, सांवला गांव, जैसलमेर • जेठाराम चौधरी, एस.ई., जोधपुर डिस्कॉम (सेवानिवृत) • पी.के. गुप्ता, एस.ई. (वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम (सेवानिवृत) • श्वेता कुलकर्णी, प्रयास एनर्जी ग्रुप • पी.के. गर्ग, उप निदेशक (तकनीकी), राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग • मॉडरेटर: सिमरन ग्रोवर, सी.ई.ई.पी.
04:20 - 04:30 PM	चर्चा| सवाल-जवाब	सिमरन ग्रोवर, सी.ई.ई.पी.

ज़ूम लिंक: https://shorturl.at/dmpqw

सी.ई.ई.पी. के बारे में

सेंटर फॉर एनर्जी, एनवायरमेंट एंड पीपल (सी.ई.ई.पी.) जयपुर-स्थित मानव-केंद्रित अनुसंधान और नीतिगत विषयों पर कार्यरत संस्थान है| सी.ई.ई.पी. ऊर्जा, पर्यावरण और मानवीय अंतर्संबंध पर कार्य के माध्यम से त्वरित रूप से निम्न-कार्बन संक्रांति और लोकतांत्रिक गठबंधनों द्वारा जलवायु न्याय एवं संस्थागत प्रतिक्रिया, निवेश और राजनीतिक बदलाव को सक्षम करने के लिए प्रयासरत है|

संस्थागत रूप से, सी.ई.ई.पी. समावेशी और प्रतिनिधित्व आधारित नीति के माध्यम से वंचित व्यक्तियों और समूहों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और कमजोरियों को दूर करने को प्राथमिकता देता हैं|